

सीएसआईआर-सीरी में सीआरबी टेक्नोलॉजी से 'जलवायु अनुकूल भवन' का निर्माण

सीएसआईआर महानिदेशक डॉ. एन. कलैसेल्वी ने किया वर्चुअल उद्घाटन

सीएसआईआर-केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीरी), पिलानी में नवनिर्मित जलवायु अनुकूल भवन (क्लाइमेट रेज़िलिएंट बिल्डिंग) का उद्घाटन दिनांक 19 दिसंबर, 2025 को डॉ. एन. कलैसेल्वी, सचिव, डीएसआईआर एवं महानिदेशक, सीएसआईआर द्वारा वर्चुअल माध्यम से किया गया। सीएसआईआर-सीरी के सभागार में आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक डॉ. पी. सी. पंचारिया ने किया। इस अवसर पर सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की के निदेशक डॉ प्रदीप कुमार रामनचरला; डॉ अजय चौरसिया, मुख्य वैज्ञानिक तथा डॉ आशीष पीपल, प्रधान वैज्ञानिक भी उपस्थित थे। इनके अलावा संस्थान के सभागार में सीएसआईआर-सीरी के वरिष्ठ वैज्ञानिक, अधिकारीगण एवं अन्य सहकर्मी भी उपस्थित थे।



उपस्थित अतिथियों एवं सहकर्मियों को संबोधित करती हुई सचिव, डीएसआईआर एवं महानिदेशक, सीएसआईआर डॉ. एन. कलैसेल्वी

अपने उद्घाटन संबोधन में डॉ. एन. कलैसेल्वी, सचिव, डीएसआईआर एवं महानिदेशक, सीएसआईआर ने सीएसआईआर-सीरी एवं सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीबीआरआई), रुड़की के निदेशकों तथा परियोजना टीम के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने निर्धारित समय में इस भवन के पूर्ण होने को सीएसआईआर की मिशन मोड परियोजनाओं की एक उल्लेखनीय उपलब्धि बताया। डॉ कलैसेल्वी ने अपने संबोधन

में देश के अन्य क्षेत्रों में बने ऐसे जलवायु अनुकूलित भवनों की भी चर्चा की।



उद्घाटन कार्यक्रम में अध्यक्षीय संबोधन देते हुए डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

कार्यक्रम के दौरान सीएसआईआर-सीरी के निदेशक डॉ. पी. सी. पंचारिया ने डॉ कलैसेल्वी, सहित सीएसआईआर-सीबीआरआई के निदेशक डॉ रामनचरला एवं उनकी टीम के सदस्यों का स्वागत करते हुए अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों के बीच ऐसे भवन भविष्य की आवश्यकता हैं और यह संस्थान के सतत विकास के संकल्प को दर्शाता है। उन्होंने नए जलवायु अनुकूल भवन के निर्धारित अवधि में निर्माण करने के लिए संस्थान के सिविल अनुभाग की टीम के प्रयासों की सराहना की।



सभागार में उपस्थित अतिथि एवं सहकर्मी

इस अवसर पर सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की के निदेशक डॉ. प्रदीप कुमार रामनचरला ने सीआरबी

परियोजना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सीबीआरआई, रुड़की द्वारा विकसित “क्लाइमेट रेज़िलिएंट बिल्डिंग टेक्नोलॉजी” के उपयोग से इस भवन का निर्माण किया गया है।



समारोह में उपस्थित सहकर्मियों को जलवायु अनुकूल भवन निर्माण तकनीक की जानकारी देते हुए प्रोफेसर प्रदीप कुमार रामनचरला, निदेशक, सीएसआईआर-सीबीआरआई, रुड़की

अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि देश को जलवायु परिस्थितियों के आधार पर पाँच क्षेत्रों में वर्गीकृत किया गया है और प्रत्येक क्षेत्र के अनुरूप जलवायु अनुकूल भवन विकसित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में सीएसआईआर-सीबीआई में क्षेत्र की गर्म एवं शुष्क जलवायु के अनुरूप यह भवन निर्मित किया गया है। उन्होंने इस अवसर पर लेह, चेन्नई, रुड़की आदि में वहाँ तैयार किए गए ऐसे भवनों का उल्लेख करते हुए अपनाई गई इस निर्माण तकनीक को कम लागत वाली, ऊर्जा दक्ष और जलवायु-संवेदनशील बताया। उन्होंने इस कार्य में डॉ. पी. सी. पंचारिया के नेतृत्व में टीम सीएसआईआर-सीबीआई के सहयोग की मुक्त कंठ से प्रशंसा की।



नवनिर्मित जलवायु अनुकूल भवन का औपचारिक उद्घाटन करते हुए डॉ. पी. सी. पंचारिया एवं डॉ. प्रदीप कुमार रामनचरला

इसके उपरांत डॉ रामनचरला एवं डॉ पंचारिया ने सीबी संस्थान के वैज्ञानिकों एवं अन्य सहकर्मियों के समक्ष भवन का औपचारिक उद्घाटन किया। उद्घाटन के उपरांत उन्होंने भवन का प्रत्यक्ष अवलोकन भी किया।



कार्यक्रम का संचालन करते हुए पीएमई प्रमुख श्री प्रमोद तँवर, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

कार्यक्रम का समन्वयन एवं कुशल संचालन पीएमई प्रमुख श्री प्रमोद तँवर, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक ने किया।



भवन उद्घाटन के उपरांत अतिथिगण एवं सहकर्मी

क्लाइमेट रेज़िलिएंट बिल्डिंग (CRB) प्रौद्योगिकी

यह प्रौद्योगिकी वह निर्माण तकनीक है, जिसके अंतर्गत भवनों को इस प्रकार डिजाइन और निर्मित किया जाता है कि वे स्थानीय जलवायु परिस्थितियों, जलवायु परिवर्तन के प्रभावों तथा प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर सकें और साथ ही भवन उपयोगकर्ताओं को आरामदायक, सुरक्षित एवं ऊर्जा-कुशल वातावरण प्रदान करें। सरल शब्दों में यह तकनीक ऐसे भवन तैयार करने पर केंद्रित है जो गर्मी, सर्दी, आर्द्रता, तेज़ वर्षा, बाढ़, लू, ठंड और तापमान में अत्यधिक उतार-चढ़ाव जैसी परिस्थितियों में भी प्रभावी ढंग से कार्य कर सकें।
